एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-२ (CBCS)

पाठ्यक्रम कोड (PA02CHIN21)	पाठ्यक्रम का नाम रीतिकाव्य	क्रेडिट ०५
इकाई-१	- बिहारी रत्नाकरः जगन्नाथदास रलाकर (चुने हुए ३० दोहे) व्याख्याः छंद संख्याः १,६, १०, १३, १४, २०, २५, ३२, ३३, ३४, ३७, ३८, ४०, ३९, ४२, ४५, ५०, ५२, ६०, ६२, ६७, ६९, ७३, ७६, ७८, ८५, ९४, ९५, ९८, १०३ - मुक्त काव्य परंपरा और बिहारी - बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ - बिहारी का श्रृंगार निरूपण - बिहारी की काव्यभाषा	०१
इकाई-२	- देवः दीपशिखा- सं. विद्यानिवास मिश्र, (चुने हुए २५ छंद) व्याख्याः छंद संख्याः २, ३, ८, ११, १६, २१, २२, २८, ३८, ४२, ४७, ४८, ५०, ५३, ५६, ५७, ६३, ६६, ७४, ८३, ८६, ९०, १०४, १०८, ११५ - देव का काव्य परिचय - देव की काव्यगत विशेषताएँ, देव का प्रेमनिरूपण - देव की काव्यभाषा	०१
इकाई-३	- घनानंदः घनानंद कवित्त- सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (चुने हुए २५ सवैये और कवित्त) व्याख्याः छंद संख्याः १, २, ३, ५, ११, ८, ९, १७, २०, २१, २२, २९, ३७, ४८, ५०, ६३, ७०, ७७, ८६, ९३, ९४, १०५, १०९, १०६, ११५ - घनानंद का काव्य परिचय - घनानंद का श्रृंगार वर्णन - घनानंद का वियोग वर्णन, घनानंद की काव्यभाषा	०१
इकाई-४	- पद्माकरः (जगद्विनोद) पद्माकर ग्रंथावली-सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (चुने हुए २५ सवैये और कवित्त) व्याख्याः छंद संख्याः ७, ८, १३, १४, १७, ३६, ५३, १०९, १६९, १८६, २०७, २४८, ३८०, ३८९, ४०६, ४१६, ४२९, ४३४, ४४७, ४५२, ४६४, ४९२, ५०३, ५०९, ५७० - पद्माकर का काव्य परिचय - पद्माकर की काव्यगत विशेषताएँ, पद्माकर का श्रृंगार निरूपण, काव्यभाषा	०१
इकाई-५	- गृहकार्य	०१

	केशव, भूषण, रहीम, मतिराम, ठाकुर	

संन्दर्भ ग्रंथः

- बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय प्रकाशन, वाराणसी ।
- देव और उनकी कविता, भाग–१,२, डॉ. नगेन्द्र ।
- रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना – डॉ. बच्चन सिंह ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहासः पं. रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
- घनानंद का श्रृंगारकाव्य : रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- घनानंद – डॉ. किशोरीलाल, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद ।

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-२ (CBCS)

पाठ्यक्रम कोड (PA02CHIN22)	पाठ्यक्रम का नाम कथासाहित्य	क्रेडिट ०५
इकाई-१	- कर्मभूमिः - प्रेमचंद के उपन्यासों का परिचय - कर्मभूमि की समीक्षा - कर्मभूमि की पात्रसृष्टि, कर्मभूमि का शिल्प	०१
इकाई-२	- कालापादरीः - तेजिंदर के उपन्यासों का परिचय - कालापादरी की समीक्षा - कालापादरी की पात्रसृष्टि, कालापादरी का शिल्प	०१
इकाई-३	- हिन्दी उपन्यास की विकास यात्राः - पूर्व प्रेमचंदयुग के उपन्यास - प्रेमचंद युग के उपन्यास - प्रेमचंदोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर युग, समकालीन उपन्यास	०१
इकाई-४	- कहानीः चुनी हुई कहानियाँ- उसने कहा था, कफन, चीफ की दावत, सलाम - हिन्दी कहानी की विकास यात्रा, पात्र - पाठ्य कहानियों की समीक्षाः संवेदना और संरचना	०१
इकाई-५	- गृहकार्यः मन्नू भंडारी, जैनेन्द्र, अमरकांत, अज्ञेय, फणीश्वरनाथ रेणु ।	०१

संन्दर्भ ग्रंथः

- प्रेमचंद और उनका युग - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
- गोदान - सं. राजेश्वरगुरु, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी के ऐतिहासिक उपन्यास - राज काज
- शान्तिनिकेतन से शिवालय तक - सं. शिव प्रसाद सिंह
- हजारी प्रसाद द्विवेदी-सर्जक और चिंतकः डॉ. मृदुला पारीक, पार्श्व प्रकाशन,अहमदाबाद ।
- हिन्दी उपन्यास का इतिहास - डॉ. गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- गोदानः संवेदना और शिल्प - चन्द्रेश्वर कर्ण, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
- कहानी आन्दोलन और प्रवृत्तियाँः डॉ. राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

एम.फिल. (हिन्दी) सेमेस्टर-२

पाठ्यक्रम कोड (MA02CHIN23)	पाठ्यक्रम का नाम भारतीय साहित्यः कृति-अध्ययन (नाटक और कविता)	क्रेडिट ०४
इकाई-१	- संस्कृत नाटक का विकास, आदिवासी कविता का विकास	०१
इकाई-२	- उत्तर रामचरितम्ः समीक्षात्मक अध्ययन- भवभूति का साहित्यिक परिचय कथावस्तु, चरित्र-सृष्टि, राम और सीता का चरित्र चित्रण, उत्तर रामचरितम् की नाट्य समीक्षा	०१
इकाई-३	- नगाड़े की तरह बजते हुए शब्दः समीक्षात्मक अध्ययन - निर्मलापुतुल का साहित्यिक परिचय, काव्यगत विशेषताएँ, स्त्री अस्मिता, विकास और विस्थापन	०१
इकाई-४	- गृहकार्यः - संस्कृत नाटक और आदिवासी कविता का स्वरूप	०१

संन्दर्भ ग्रन्थः

- आदिवासी काव्यचिन्तनः सं. खन्ना प्रसाद अमीन, नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहासः डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी
- संस्कृत साहित्य का इतिहासः डॉ. बलदेव उपाध्याय